केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी

के सौजन्य से एवं

हिन्दी विभाग

रवीन्द्रनाथ ठाकुर विश्वविद्यालय, होजाई, असम

के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित दो दिवसीय

राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक : 14 एवं 15 सितम्बर, 2025

विषय : "पूर्वोत्तर भारत में हिन्दी की परम्परा एवं प्रयोग"

संगोष्ठी स्थान : भारत तीर्थ भवन

पंजीकरण के लिए QR Code
https://forms.gle/o3tCRnBY3rf4kNgH7

पंजीकरण शुल्क के लिए QR Code

Bank Details
A/C Name: Rabindranath Tagore University.
Bank: SBI, Hojai Branch
Account Number: 43008712750
IFSC: SBIN0002065

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :

1. डॉ० नागेश्वर यादव, एसोसिएट प्रोफेसर, मो० 9984695285
2. डॉ० मनोज कुमार स्वामी, एसोसिएट प्रोफेसर, मो० 8812888700
3. डॉ० मनीष तोमर, असिस्टेंट प्रोफेसर, मो० 9358425132
4. डॉ० प्रांजल कुमार नाथ, असिस्टेंट प्रोफेसर, मो० 7086411584
5. डॉ० संतोष कुमार गुप्ता, असिस्टेंट प्रोफेसर, मो० 9401024656

Email:rtuhindi@gmail.com

CamScanner

संगोष्ठी के उपविषय

- सिद्ध तथा नाथ साहित्य की पृष्ठभूमि एवं पूर्वोत्तर के सिद्ध साहित्यकार
- सिद्ध तथा नाथ साहित्यकारों का साहित्यिक एवं सामाजिक प्रदेय
- सिद्धों तथा नाथों की तत्कालीन धर्म साधना एवं सांस्कृतिक योगदान
- पूर्वोत्तर भारत में भक्ति आन्दोलन की पृष्ठभूमि
- पूर्वोत्तर भारत में सामाजिक समरसता स्थापित करने में वैष्णव भक्त कवियों का योगदान
- महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की ब्रजावली रचनाएँ और उनमें निहित सांस्कृतिक राष्ट्रवाद
- पूर्वोत्तर भारत में भक्ति आन्दोलन की विकास यात्रा
- पूर्वोत्तर भारत में खड़ीबोली हिन्दी के प्रचार-प्रसार का आरम्भिक काल
- पूर्वोत्तर भारत में विभिन्न गद्य विधाओं का आविर्भाव और हिन्दी का प्रभाव
- पूर्वोत्तर भारत में हिन्दी के प्रचार-प्रसार में विभिन्न समितियों का योगदान
- पूर्वोत्तर भारत में हिन्दी के प्रचार-प्रसार में पत्र-पत्रिकाओं का योगदान
- हिन्दी के विकास में पूर्वोत्तर भारत के साहित्य-सेवियों का योगदान
- पूर्वोत्तर भारत में सूचना तकनीकी और संचार माध्यम में हिन्दी का प्रयोग
- पूर्वोत्तर भारत में विभिन्न विमर्शों का आविर्भाव और हिन्दी का प्रभाव
- पूर्वोत्तर भारत में राजनीतिक चेतना को विकसित करने में हिन्दी की भूमिका
- वे विषय जो पूर्वोत्तर भारत की सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक समस्याओं से जुड़े हो तथा उन्हें हल करने में हिन्दी की महत्त्वपूर्ण भूमिका हो, उन्हें भी शोध पत्र का विषय बनाया जा सकता है।

महत्त्वपूर्ण तिथियाँ :

- शोध-सार भेजने की अन्तिम तिथि : 10 सितम्बर, 2025
- शोध पत्र भेजने की अन्तिम तिथि : 12 सितम्बर, 2025
- शोध-सार एवं शोध पत्र भेजने के लिए ईमेल पता : rtuhindi@gmail.com

पंजीकरण शुल्क :

- प्राध्यापक के लिए - ₹1000
- शोधार्थी एवं विद्यार्थी के लिए - ₹500

संयोजक

डॉ० नागेश्वर यादव
एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी
रवीन्द्रनाथ ठाकुर विश्वविद्यालय

डॉ० मनोज कुमार स्वामी
एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी
रवीन्द्रनाथ ठाकुर विश्वविद्यालय

डॉ० चन्द्रशेखर चौबे
क्षेत्रीय निदेशक केन्द्रीय हिन्दी संस्थान,
गुवाहाटी केन्द्र

CamScanner